US TECH COS EYE STAKES IN INDIAN TELECOM PLAYERS

The times couldn't have been better for the Indian telecom players which has been under considerable duress with all the AGR woes and other issues. Jio opened the floodgates with a series of companies making a beeline to invest. This was followed by other companies reportedly looking to acquire stake in the telecom players.

Amazon is eyeing a stake worth at least $2 billion in Bharti Airtel. The investment would allow Amazon to get a 5% stake in Bharti, which is India's third-largest telecom company with more than 300 million subscribers. Amazon has investments worth US$ 6.5 billion in India.

Leading global players are placing major bets on Jio and raised $10 billion in recent weeks from Facebook, KKR and others.

Google is in talks to buy a 5 per cent stake in Vodafone Idea, owned by Vodafone Plc of the UK and Aditya Birla Group. The move comes about a month after Google's biggest rival, Facebook, picked up a 9.99 per cent stake in Reliance Industries' (RIL's) Jio Platforms for ₹ 43,574 crore.

Vodafone Idea's market valuation is around ₹ 16,724 crore and Google may end up buying the stake for ₹ 836 crore.

Google's parent firm, Alphabet, had also held talks with RIL to acquire a stake in Jio, but lagged behind other investors like Facebook in securing a deal.

Vodafone Idea Ltd (VIL) -- where Vodafone holds just over 45 per cent stake -- is staring at nearly ₹ 58,000 crore in unpaid statutory dues.

These dues arose after the Supreme Court, in October last year, upheld the government's position on including revenue from non-core businesses in calculating the annual AGR of telecom companies, a share of which is paid as licence and spectrum fee to the exchequer.

The Department of Telecom had put dues of three telecom companies -- Bharti Airtel, Vodafone Idea and Tata Group at ₹ 1.19 lakh crore.

These investments could change the dynamics within the Indian telecom sector and spur new growth within this sector. ■

यूएस टेक कंपनियों की नजर भारतीय दूरसंचार कंपनियों में हिस्सेदारी पर

भारतीय दूरसंचार कंपनियों के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता है, जबकि वे सभी एजीआर संकटों और अन्य मुद्दों के साथ काफी दबाव में हैं। जियो ने कंपनियों की एक श्रृंखला के साथ निवेश की इस बाढ़ के दरवाजे खोले हैं। इसके बाद अन्य कंपनियों ने कथित तौर पर टेलीकॉम कंपनियों में हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया।

भारती एयरटेल में अमेजन कम से कम **2** बिलियन डॉलर मूल्य की हिस्सेदारी पर नजर गड़ाये हुए है। इस निवेश से अमेजन को भारती की **5%** हिस्सेदारी मिल सकती है, जो कि **30** मिलियन से अधिक सब्सक्राइबरों के साथ भारत की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। अमेजन ने भारत में **6.5** बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है।

विश्व की अग्रणी कंपनियां जियो प्लेटफार्म पर प्रमुख रूप से दांव लगा रही हैं और हाल के सप्ताह में इसने फेसबुक, केकेआर व अन्यों से **10** बिलियन डॉलर जुटाये हैं।

गूगल, वोडाफोन आइडिया में **5** प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रहा है, जिसके मालिक ब्रिटेन के वोडाफोन पीएलसी और आदित्य बिरला ग्रुप हैं। यह कदम गुगल के सबसे बड़े प्रतिद्वंदी फेसबुक के रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के जियो प्लेटफार्म में **43,574** करोड़ रुपये में **9.99** प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लगभग एक महीने के बाद उठाया गया है। वोडाफोन आइडिया का बाजार मूल्यांकन लगभग **16,724** रुपये है और गुगल **836** करोड़ रुपये में हिस्सेदारी खरीद सकता है।

गुगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने भी जियो में हिस्सेदारी अधिग्रहण के लिए आरआईएल के साथ बातचीत की थी, लेकिन सौदा हासिल करने में फेसबुक जैसे अन्य निवेशकों से पिछड़ गयी।

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) – जहां वोडाफोन की महज **45** प्रतिशत हिस्सेदारी है – उसकी नजर बिना भुगतान किये गये लगभग **58,000** करोड़ रुपये के वैधानिक बकाये पर है।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद ये बकाये पैदा हुए, पिछले साल अक्टूबर में, दूरसंचार कंपनियों की वार्षिक एजीआर की गणना में गैर-प्रमुख व्यवसायों से राजस्व पर सरकार की स्थिति को बरकरार रखा गया, जिसमें से एक हिस्सा सरकारी खजाने को लाइसेंस और स्पेक्ट्रम शुल्क के रूप में भुगतान किया जाता है। दूरसंचार विभाग ने तीन दूरसंचार कंपनियों – भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और टाटा समूह पर **1.19** लाख करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान करने को कहा।

ये निवेश भारतीय दूरसंचार क्षेत्र के भीतर गतिशीलता को बदल सकते हैं और इस क्षेत्र में नयी बढ़ोतरी को प्रेरित कर सकते हैं। ■